(ग) उन्हें उनके देश वापस भेजने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद मकबूल डार) : (क) से (ग) चूंकि विदेशियों विषयक अधिनियम, 1946 के अधीन, देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी राष्ट्रकों की पहचान करने, उनका पता लगाने और वापस भेजने की शक्तियां, राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों को प्रत्यायोजित कर दी गई हैं, इसलिए ऐसे आंकड़े केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखे जाते हैं। तथापि, सरकार, पड़ोसी देशों से चोरी छिपे भारत में घुसकर देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से रहने वाले विदेशी राष्ट्रकों से संबंधित समस्या से अवगत है। ऐसे विदेशी राष्ट्रकों की शिनाख्त करने और उन्हें वापस भेजने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों को निर्देश जारी किए गए है

सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासात्मक गतिविधियां

2387. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **रक्षा मंत्री** दिनांक 24 जुलाई, 1997 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या 27 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए चीनी सीमा के आस-पास वाले क्षेत्रों का चयन न करने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या कुल्लू-मनाली-केलांग से लेह-लदाख का मार्ग सबसे छोटा है और इसलिए रक्षात्मक सभी आपूर्तियां इसी मार्ग से की जाती हैं तथा लेह-लद्दाख क्षेत्र पाकिस्तानी सीमा के साथ भी लगा हुआ है ;

(ग) क्या सरकार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सड़कों के निर्माणार्थ इस क्षेत्र को धन प्रदान करने पर विचार करेगी ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन० वी. एन. सोमू) : (क) चीन की सीमा से लगे राज्यों को सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम में लाना संभव नहीं हो पाया है क्योंकि इस कार्यक्रम के तहत उपलब्ध धनराशि बहुत सीमित है।

(ख) लेह-लद्दाख क्षेत्र में सामान पहुंचाने के लिए दो सड़क मार्ग उपलब्ध हैं अर्थात (क) जम्मू-श्रीनगर-जोजीला-कारगिल लेह (जोजीला मार्ग), और (ख) पठानकोट-मनाली-रोहतांग-केलांग-लेह (रोहतांग मार्ग) जोजीला मार्ग के लिए सामान उतारने के वास्ते मुख्य रेल स्टेशन जम्मू तथा रोहतांग मार्ग के लिए पठानकोट है। जोजीला मार्ग की दूरी 734 कि०मी० है जबकि रोहतांग मार्ग की दूरी 810 कि० मी० है। जोजीला मार्ग 15 जून से 31 अक्तूबर तक के लिए तथा रोहतांग मार्ग 15 जुलाई से 31 अक्तूबर तक के लिए उपलब्ध रहता है। प्रतिवर्ष लगभग 30 प्रतिशत रक्षा आपूर्तियां रोहतांग मार्ग से होकर तथा शेष आपूर्तियां जोजीला मार्ग से होकर लिए जाने की योजना बनाई जाती है।

लेह-लद्दाख क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से लगा हुआ नहीं है।

(ग) और (घ) उपर्युक्त भाग (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठते।

टाडा के अन्तर्गत मामले

2388. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1997 की स्थिति के अनुसार टाडा के अन्तर्गत राज्य-वार कितने मामले दर्ज किए गए ;

(ख) 30 जून, 1997 की स्थिति के अनुसार इन मामलों की सुनवाई के लिए